

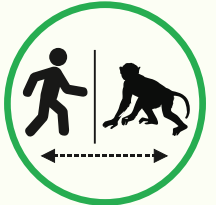


# बंदरों के सामने आ जाने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें



बंदरों को अपने आसपास से भगाने के लिए ढोल बजाकर तेज़ आवाज़ करें



बंदरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उन्हें जाने का मौका दें



बंदरों के आसपास होने पर झुंड में चलें



बंदरों के आक्रामक व्यवहार को समझें। उनके आक्रामक व्यवहार के अलग-अलग स्तर होते हैं; शुरुआत में वे किकियाते हैं। फिर, मुंह से आक्रमण करने की धमकी देते हैं, फिर छलांग लगाते हैं, आपके घुटनों या पैरों को पकड़ते हैं और आखिर में काटते हैं, जो कि गंभीर हो सकता है



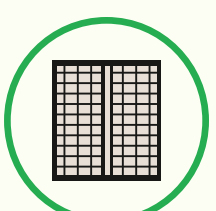
शांत रहें और बिना झटका देते हुए वहां से हट जाएं



बंदरों के पास आ जाने पर आपके पास अगर खाने का सामान है तो उसे फेंक दें



पॉलिथीन की थैली में खाने का सामान न लें। इसके बदले कन्धों पर टांगने वाली थैली लें या बैकपैक लें क्योंकि बंदर दिखाई देने वाले खाने के सामान या यहां तक कि सिर्फ पॉलिथीन की थैली को भी खाने के सामान के साथ जोड़ते हैं जो उन्हें उसे छीनने के लिए उकसा सकता है



अपने घर को सुरक्षित रखने के लिए बंदरों से बचाव प्रदान करने वाले ग्रिल लगाएं। इसके साथ बेहतर सुरक्षा के लिए अलार्म, सीसीटीवी, आदि का इस्तेमाल किया जा सकता है



कचरे के ढेर को ढककर रखें या उसे किसी जगह में बंद करके रखें क्योंकि कचरा बंदरों को पौष्टिक आहार प्रदान करता है



बंदरों से दूर रहने के लिए विभिन्न ध्वनिक, दृश्य, सूंघे जाने योग्य और स्पर्शनीय पदार्थों या पद्धतियों का इस्तेमाल करें। ऐसे पदार्थों या पद्धतियों का इस्तेमाल न करें जिनसे बंदरों को चोट लग सकती है या उनकी मृत्यु हो सकती है

ये न करें



बंदरों की आँखों में न देखें और उन पर पत्थर न फेंकें क्योंकि इससे वे बचाव में आक्रमण कर सकते हैं



बंदरों पर डंडे से वार न करें क्योंकि इससे वे आप पर आक्रमण कर सकते हैं



बंदरों की तरफ़ देखकर हंसे नहीं और उन्हें अपने दांत न दिखाएं। वे इसे दोस्ताना व्यवहार नहीं समझते हैं। उनके लिए यह आक्रामक व्यवहार है और इसलिए, इसके बदले वे गुस्से वाला व्यवहार दिखाते हैं। उन्हें चिढ़ाएं नहीं और उन्हें देखकर मुंह न बनाएं



उन्हें देखकर भागे नहीं या अपने व्यवहार से ऐसा न दिखाएं कि आप डर गए हैं क्योंकि ऐसा देखकर वे आपका पीछा कर सकते हैं



बंदर के बच्चे को न छुएं क्योंकि मादा बंदर अपने बच्चे की कड़ी हिफाज़त करती है और इसलिए, वह आपको काट भी सकती है



बंदर को ऐसा न दिखाएं कि आप खाने का सामान उससे छिपा रहे हैं। अगर आपके पास कोई खाने का सामान नहीं है तो बिना डरे अपने हाथ खोल दें ताकि बंदर देख ले कि आपके पास कुछ नहीं है



सहानुभूति की भावना दिखाते हुए या धार्मिक कारणों से बंदरों को खाना न खिलाएं और उनके सामने खाना न खाएं। ऐसा करने से उन्हें पता चल जाता है उन्हें इंसानों से खाना मिल सकता है; इस तरह वे इंसानों से डरना बंद कर देते हैं और खाने के लिए आक्रमण कर सकते हैं



अपने घर के दरवाज़े और खिड़कियां बंद रखें क्योंकि बंदर अंदर घुस सकता है



बंदरों के आसपास होने पर खुले में खाने का कचरा न फेंकें क्योंकि इससे वे आकर्षित होते हैं और इंसानों के करीब आ जाते हैं जिससे कि उनके और इंसानों के बीच संघर्ष बढ़ जाते हैं



बंदर के काटने या खरोंचने पर बिना देरी किए डॉक्टर के पास जाकर टीके लगवा लें और उनके आदेशानुसार दवाइयां लें

## भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत-जर्मनी सहयोग  
2017 – 2023

भारत में मनुष्य-वन्य जीव संघर्ष शमन  
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहायित्व पद्धति का क्रियान्वयन

